

		A4 4 : 4		
Objective Question				
51	25051	<p>अनन्तभट्टविरचितभाष्यस्य नाम किमस्ति ?</p> <p>1. मातृवेदः 2. स्वरप्रकाशः 3. पदार्थबोधः 4. पदार्थप्रकाशकः</p> <p>अनन्तभट्टविरचितभाष्यस्य नाम किमस्ति ?</p> <p>1. मातृवेदः 2. स्वरप्रकाशः 3. पदार्थबोधः 4. पदार्थप्रकाशकः</p> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
52	25052	<p>ऋक्सामयजुर्वेदशास्त्रकारः कः अस्ति ?</p> <p>1. शूरीरः 2. आगस्त्यः 3. आचार्यः शौनकः 4. महर्षिव्यासः</p> <p>ऋक्सामयजुर्वेदशास्त्रकारः कः अस्ति ?</p> <p>1. शूरीरः 2. आगस्त्यः 3. आचार्यः शौनकः 4. महर्षिव्यासः</p> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00



		4		
Objective Question				
53	25053	<p>तैत्तिरीयारण्यके कति प्रपाठकाः सन्ति ?</p> <p>1. 20 2. 10 3. 24 4. 15</p> <p>तैत्तिरीयारण्यके कति प्रपाठकाः सन्ति ?</p> <p>1. 20 2. 10 3. 24 4. 15</p> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
54	25054	<p>ब्राह्मणं नाम कर्मणस्तन्मन्त्राणां च व्याख्यानग्रन्थः' इति कस्य मतमस्ति ?</p> <p>1. भट्टभास्करस्य 2. आचार्यसायणस्य 3. दुर्गाचार्यस्य 4. अनन्ताचार्यस्य</p> <p>ब्राह्मणं नाम कर्मणस्तन्मन्त्राणां च व्याख्यानग्रन्थः' इति कस्य मतमस्ति ?</p> <p>1. भट्टभास्करस्य 2. आचार्यसायणस्य 3. दुर्गाचार्यस्य 4. अनन्ताचार्यस्य</p> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				

55	25055	<p>ज्ञानयज्ञभाष्यस्य कर्ता कः ?</p> <p>1. आचार्यसायणः 2. भट्टभास्करमिश्रः 3. गोविन्ददेवः 4. अनन्तदेवः</p> <p>ज्ञानयज्ञभाष्यस्य कर्ता कः ?</p> <p>1. आचार्यसायणः 2. भट्टभास्करमिश्रः 3. गोविन्ददेवः 4. अनन्तदेवः</p> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------

## Objective Question

56	25056	<p>ऋग्वेदस्य भाष्यकारः कः ?</p> <p>1. स्कन्दस्वामी 2. माधवः 3. भरतस्वामी 4. गुणविष्णुः</p> <p>ऋग्वेदस्य भाष्यकारः कः ?</p> <p>1. स्कन्दस्वामी 2. माधवः 3. भरतस्वामी 4. गुणविष्णुः</p> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------

## Objective Question

57	25057		2.0	0.00
----	-------	--	-----	------

ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण अधस्तनेषु सम्यक्षरमस्ति -

1. अ
2. इ
3. ओ
4. उ

ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण अधस्तनेषु सम्यक्षरमस्ति -

1. अ
2. इ
3. ओ
4. उ

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4



Objective Question

58 25058

ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण रक्तसंज्ञा कस्य भवति ?

1. यकारस्य
2. मकारस्य
3. चकारस्य
4. दकारस्य

ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारेण रक्तसंज्ञा कस्य भवति ?

1. यकारस्य
2. मकारस्य
3. चकारस्य
4. दकारस्य

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4

2.0

0.00

Objective Question

59 25059

2.0

0.00

गगनारविन्दं सुरभिः अरविन्दत्वात् अत्र कः हेत्वाभासः ?

1. सत्प्रतिपक्षः
2. बाधः
3. आश्रयासिद्धः
4. स्वरूपासिद्धः

गगनारविन्दं सुरभिः अरविन्दत्वात् अत्र कः हेत्वाभासः ?

1. सत्प्रतिपक्षः
2. बाधः
3. आश्रयासिद्धः
4. स्वरूपासिद्धः

A1  
:

1

A2  
:

2

A3  
:

3

A4  
:

4



Objective Question

60 25060

बाह्यार्थानुमेयवादी कः ?

1. सौत्रान्तिकः
2. वैभाषिकः
3. योगाचारः
4. माध्यमिकः

बाह्यार्थानुमेयवादी कः ?

1. सौत्रान्तिकः
2. वैभाषिकः
3. योगाचारः
4. माध्यमिकः

A1  
:

1

A2  
:

2

A3  
:

3

A4  
:

4

2.0 0.00

Objective Question

61 25061

2.0 0.00

जैनदर्शने गुणस्थानानां संख्या –

1. त्रयोदश
2. पञ्चदश
3. चतुर्दश
4. षोडश

जैनदर्शने गुणस्थानानां संख्या –

1. त्रयोदश
2. पञ्चदश
3. चतुर्दश
4. षोडश

A1  
:

1

A2  
:

2

A3  
:

3

A4  
:

4



Objective Question

62 25062

तर्कभाषायाः टीका 'तर्कभाषाप्रकाशिका' केन विरचिता ?

1. पक्षधरमिश्रेण
2. गोवर्धनमिश्रेण
3. वाचस्पतिमिश्रेण
4. पार्थसारथिमिश्रेण

तर्कभाषायाः टीका 'तर्कभाषाप्रकाशिका' केन विरचिता ?

1. पक्षधरमिश्रेण
2. गोवर्धनमिश्रेण
3. वाचस्पतिमिश्रेण
4. पार्थसारथिमिश्रेण

A1  
:

1

A2  
:

2

A3  
:

3

A4  
:

4

2.0

0.00

Objective Question

63 25063

2.0

0.00

प्रभाकरमते कति पदार्थाः ?

1. अष्टौ
2. नव
3. दश
4. षोडश

प्रभाकरमते कति पदार्थाः ?

1. अष्टौ
2. नव
3. दश
4. षोडश

A1 1  
:

1

A2 2  
:

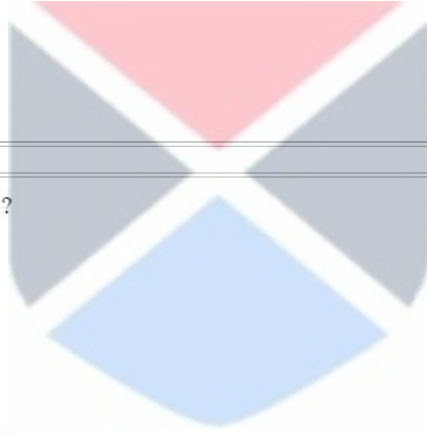
2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4



Objective Question

64 25064

असम्प्रज्ञातसमाधिः कतिविधः ?

1. द्विविधः
2. चतुर्विधः
3. त्रिविधः
4. पञ्चविधः

असम्प्रज्ञातसमाधिः कतिविधः ?

1. द्विविधः
2. चतुर्विधः
3. त्रिविधः
4. पञ्चविधः

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4

2.0 0.00

Objective Question

65 25065

2.0 0.00

‘अद्वैतसिद्धिः’ ग्रन्थः केन विरचितः ?

1. ब्रह्मानन्दसरस्वतिना
2. मधुसूदनसरस्वतिना
3. सदानन्दपरिव्राजकेन
4. चित्सुखाचार्येण

‘अद्वैतसिद्धिः’ ग्रन्थः केन विरचितः ?

1. ब्रह्मानन्दसरस्वतिना
2. मधुसूदनसरस्वतिना
3. सदानन्दपरिव्राजकेन
4. चित्सुखाचार्येण

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

66 25066

वेदान्तमते सूक्ष्मशरीरे कति अवयवाः ?

1. पञ्चदश
2. षोडश
3. सप्तदश
4. एकादश

वेदान्तमते सूक्ष्मशरीरे कति अवयवाः ?

1. पञ्चदश
2. षोडश
3. सप्तदश
4. एकादश

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

2.0

0.00

Objective Question

67 25067

2.0

0.00



‘धातुपारायणम्’ इति व्याकरणग्रन्थस्य रचयिता अस्ति –

1. विनयसागरसूरिः
2. नागेशभट्टः
3. कैयटः
4. हेमचन्द्रसूरिः

‘धातुपारायणम्’ इति व्याकरणग्रन्थस्य रचयिता अस्ति –

1. विनयसागरसूरिः
2. नागेशभट्टः
3. कैयटः
4. हेमचन्द्रसूरिः

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

68 25068

एषु पाठकस्य अन्यतमो गुणो वर्तते –

1. अक्षरव्यक्तिः
2. शीघ्री
3. गीती
4. शिरःकम्पी

एषु पाठकस्य अन्यतमो गुणो वर्तते –

1. अक्षरव्यक्तिः
2. शीघ्री
3. गीती
4. शिरःकम्पी

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

2.0

0.00

Objective Question

69 25069

2.0

0.00

भाषाविज्ञानदृष्ट्या अर्धस्वरो भवति -

1. इ
2. य
3. अ
4. अः

भाषाविज्ञानदृष्ट्या अर्धस्वरो भवति -

1. इ
2. य
3. अ
4. अः

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4



Objective Question

70 25070

अधस्तनेषु भाषाविज्ञानदृष्ट्या संघर्षी ध्वनिः कः ?

1. ट
2. श
3. ल
4. र

अधस्तनेषु भाषाविज्ञानदृष्ट्या संघर्षी ध्वनिः कः ?

1. ट
2. श
3. ल
4. र

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4

2.0 0.00

Objective Question

71 25071

2.0 0.00

संस्कृतस्य 'शतम्' इति पदस्य कृते 'सतम्' इति पदं कस्यां भाषायां प्रयुज्यते ?

1. ग्रीकभाषायाम्
2. फारसीभाषायाम्
3. ईरानीभाषायाम्
4. अवेस्ताभाषायाम्

संस्कृतस्य 'शतम्' इति पदस्य कृते 'सतम्' इति पदं कस्यां भाषायां प्रयुज्यते ?

1. ग्रीकभाषायाम्
2. फारसीभाषायाम्
3. ईरानीभाषायाम्
4. अवेस्ताभाषायाम्

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4



Objective Question

72 25072

'वास्तव्यः' इत्यत्र वस्-धातोः 'तव्यत्'-प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे भवति ?

1. भावे
2. कर्मणि
3. स्वार्थे
4. कर्तरि

'वास्तव्यः' इत्यत्र वस्-धातोः 'तव्यत्'-प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे भवति ?

1. भावे
2. कर्मणि
3. स्वार्थे
4. कर्तरि

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

2.0

0.00

Objective Question

73 25073

2.0

0.00

निम्नलिखितेषु शब्दप्रादुर्भावस्योदाहरणमस्ति –

1. अनुविष्णु
2. इतिहरि
3. अतिनिद्रम्
4. अनुरूपम्

निम्नलिखितेषु शब्दप्रादुर्भावस्योदाहरणमस्ति –

1. अनुविष्णु
2. इतिहरि
3. अतिनिद्रम्
4. अनुरूपम्

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4



Objective Question

74 25074

‘उत्पातेन ज्ञापिते च’ इति वार्तिकस्योदाहरणमस्ति –

1. मुक्तये हरिं भजति
2. भक्तिज्ञानाय कल्पते
3. वाताय कपिला विद्युत्
4. ब्राह्मणाय हितम्

‘उत्पातेन ज्ञापिते च’ इति वार्तिकस्योदाहरणमस्ति –

1. मुक्तये हरिं भजति
2. भक्तिज्ञानाय कल्पते
3. वाताय कपिला विद्युत्
4. ब्राह्मणाय हितम्

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4

2.0 0.00

Objective Question

75 25075

2.0 0.00

त्वयि दृष्ट एव तस्या निर्वाति मनो भवज्ज्वलितम्।  
आलोके हि हिमांशोर्विकसति कुसुमं कुमुद्वत्याः ॥  
इत्यत्र कोऽलङ्कारः ?

1. उत्प्रेक्षा
2. समासोक्तिः
3. दृष्टान्तः
4. निदर्शना

त्वयि दृष्ट एव तस्या निर्वाति मनो भवज्ज्वलितम्।  
आलोके हि हिमांशोर्विकसति कुसुमं कुमुद्वत्याः ॥  
इत्यत्र कोऽलङ्कारः ?

1. उत्प्रेक्षा
2. समासोक्तिः
3. दृष्टान्तः
4. निदर्शना

A1  
:

1

A2  
:

2

A3  
:

3

A4  
:

4



Objective Question

76 25076

विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' इति रससूत्रे प्रयुक्तस्य 'निष्पत्तिः'-शब्दस्य उत्पत्तिरित्यर्थः अधोलिखितेषु केन स्वीकृतः ?

1. भट्टनायेकन
2. शङ्कुकेन
3. भट्टलोल्लटेन
4. अभिनवगुप्तेन

विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' इति रससूत्रे प्रयुक्तस्य 'निष्पत्तिः'-शब्दस्य उत्पत्तिरित्यर्थः अधोलिखितेषु केन स्वीकृतः ?

1. भट्टनायेकन
2. शङ्कुकेन
3. भट्टलोल्लटेन
4. अभिनवगुप्तेन

A1  
:

1

A2  
:

2

A3  
:

3

2.0 0.00

		A4 4 : 4		
Objective Question				
77	25077	<p>‘पुराणमित्येव न साधु सर्वं न चापि काव्यं नवमित्यवद्यम्’ इति अधोलिखितेषु कस्य कवेः उक्तिः ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भासस्य</li> <li>2. कालिदासस्य</li> <li>3. शूद्रकस्य</li> <li>4. अश्वघोषस्य</li> </ol> <p>‘पुराणमित्येव न साधु सर्वं न चापि काव्यं नवमित्यवद्यम्’ इति अधोलिखितेषु कस्य कवेः उक्तिः ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भासस्य</li> <li>2. कालिदासस्य</li> <li>3. शूद्रकस्य</li> <li>4. अश्वघोषस्य</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
78	25078	<p>काव्यलक्षणविचारे ‘स्ववचनविरोधादेवापास्तम्’ इति धिया विश्वनाथेन कस्य मतं निराकृतम् ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. आनन्दवर्धनस्य</li> <li>2. मम्मटस्य</li> <li>3. वामनस्य</li> <li>4. भोजराजस्य</li> </ol> <p>काव्यलक्षणविचारे ‘स्ववचनविरोधादेवापास्तम्’ इति धिया विश्वनाथेन कस्य मतं निराकृतम् ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. आनन्दवर्धनस्य</li> <li>2. मम्मटस्य</li> <li>3. वामनस्य</li> <li>4. भोजराजस्य</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p>	2.0	0.00

		A4 4 : 4		
Objective Question				
79	25079	<p>‘वाच्य एव वाक्यार्थः’ इति मतं प्रतिपादयन्ति –</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सर्वे मीमांसकाः</li> <li>2. अभिहितान्वयवादिनः</li> <li>3. कुमारिलभट्टानुयायिनः</li> <li>4. अन्विताभिधानवादिनः</li> </ol> <p>‘वाच्य एव वाक्यार्थः’ इति मतं प्रतिपादयन्ति –</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सर्वे मीमांसकाः</li> <li>2. अभिहितान्वयवादिनः</li> <li>3. कुमारिलभट्टानुयायिनः</li> <li>4. अन्विताभिधानवादिनः</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
80	25080	<p>नाट्यशास्त्रानुसारं नाट्यमण्डपः कतिविधः भवति ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. द्विविधः</li> <li>2. पञ्चविधः</li> <li>3. दशविधः</li> <li>4. त्रिविधः</li> </ol> <p>नाट्यशास्त्रानुसारं नाट्यमण्डपः कतिविधः भवति ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. द्विविधः</li> <li>2. पञ्चविधः</li> <li>3. दशविधः</li> <li>4. त्रिविधः</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00

4

## Objective Question

81	25081	<p>‘न हि रसादते कश्चिदर्थः प्रवर्तते’ इति कस्मिन् ग्रन्थे मूलतः प्राप्यते ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दशरूपके</li> <li>2. नाट्यशास्त्रे</li> <li>3. काव्यादर्शे</li> <li>4. साहित्यदर्पणे</li> </ol> <p>‘न हि रसादते कश्चिदर्थः प्रवर्तते’ इति कस्मिन् ग्रन्थे मूलतः प्राप्यते ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दशरूपके</li> <li>2. नाट्यशास्त्रे</li> <li>3. काव्यादर्शे</li> <li>4. साहित्यदर्पणे</li> </ol> <p>A1 : 1</p> <p>A2 : 2</p> <p>A3 : 3</p> <p>A4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------

## Objective Question

82	25082	<p>विश्वनाथानुसारं गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य कति भेदाः सन्ति ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. अष्टौ</li> <li>2. त्रयः</li> <li>3. द्वौ</li> <li>4. चत्वारः</li> </ol> <p>विश्वनाथानुसारं गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य कति भेदाः सन्ति ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. अष्टौ</li> <li>2. त्रयः</li> <li>3. द्वौ</li> <li>4. चत्वारः</li> </ol> <p>A1 : 1</p> <p>A2 : 2</p> <p>A3 : 3</p> <p>A4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------



		4		
Objective Question				
83	25083	<p>ब्राह्मी लिपि: लिख्यते –</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दक्षिणतो वामम्</li> <li>2. वामतो दक्षिणम्</li> <li>3. ऊर्ध्वात् अधः</li> <li>4. अधस्तात् ऊर्ध्वम्</li> </ol> <p>ब्राह्मी लिपि: लिख्यते –</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दक्षिणतो वामम्</li> <li>2. वामतो दक्षिणम्</li> <li>3. ऊर्ध्वात् अधः</li> <li>4. अधस्तात् ऊर्ध्वम्</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
84	25084	<p>अशोकशिलालेखेषु 'गिरनारशिलालेखाः' कुत्र प्राप्यन्ते ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. महाराष्ट्रे</li> <li>2. सौराष्ट्रे</li> <li>3. बंगप्रान्ते</li> <li>4. उत्कलप्रदेशे</li> </ol> <p>अशोकशिलालेखेषु 'गिरनारशिलालेखाः' कुत्र प्राप्यन्ते ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. महाराष्ट्रे</li> <li>2. सौराष्ट्रे</li> <li>3. बंगप्रान्ते</li> <li>4. उत्कलप्रदेशे</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00

## Objective Question

85	25085	<p>भारतस्य सिंहमूर्तियुतस्य अशोकचिह्नस्य ग्रहणं कुतः ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सारनाथाभिलेखात्</li> <li>2. गिरनारशिलालेखात्</li> <li>3. सोपाराशिलालेखात्</li> <li>4. ब्रह्मगिरिशिलालेखात्</li> </ol> <p>भारतस्य सिंहमूर्तियुतस्य अशोकचिह्नस्य ग्रहणं कुतः ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सारनाथाभिलेखात्</li> <li>2. गिरनारशिलालेखात्</li> <li>3. सोपाराशिलालेखात्</li> <li>4. ब्रह्मगिरिशिलालेखात्</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------

## Objective Question

86	25086	<p>कौटिलीयेऽर्थशास्त्रे कति अधिकरणानि ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दश</li> <li>2. एकादश</li> <li>3. द्वादश</li> <li>4. पञ्चदश</li> </ol> <p>कौटिलीयेऽर्थशास्त्रे कति अधिकरणानि ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. दश</li> <li>2. एकादश</li> <li>3. द्वादश</li> <li>4. पञ्चदश</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------

## Objective Question

87	25087	<p>कौटिलीयार्थशास्त्रानुसारम् अनन्यां पृथिवीं कः भुङ्क्ते ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. शक्तिसम्पन्नो राजा</li> <li>2. विद्याविनीतो राजा</li> <li>3. तीक्ष्णदण्डो राजा</li> <li>4. सचिवायत्तो राजा</li> </ol> <p>कौटिलीयार्थशास्त्रानुसारम् अनन्यां पृथिवीं कः भुङ्क्ते ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. शक्तिसम्पन्नो राजा</li> <li>2. विद्याविनीतो राजा</li> <li>3. तीक्ष्णदण्डो राजा</li> <li>4. सचिवायत्तो राजा</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------

## Objective Question

88	25088	<p>मनुमते दुर्ग कतिविधम् ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. द्विविधम्</li> <li>2. पञ्चविधम्</li> <li>3. षड्विधम्</li> <li>4. सप्तविधम्</li> </ol> <p>मनुमते दुर्ग कतिविधम् ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. द्विविधम्</li> <li>2. पञ्चविधम्</li> <li>3. षड्विधम्</li> <li>4. सप्तविधम्</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
----	-------	---	-----	------

## Objective Question

89	25089		2.0	0.00
----	-------	--	-----	------

समुद्रगुप्तस्य प्रयागस्तम्भलेखात् ज्ञायते यत् सः आर्यावर्तस्य निम्नाङ्कितसंख्याकान् शासकान् पराजितवान् –

1. पञ्च
2. षट्
3. नव
4. दश

समुद्रगुप्तस्य प्रयागस्तम्भलेखात् ज्ञायते यत् सः आर्यावर्तस्य निम्नाङ्कितसंख्याकान् शासकान् पराजितवान् –

1. पञ्च
2. षट्
3. नव
4. दश

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4



Objective Question

90 25090

मनुमतानुसारं वर्णितेषु राज्ञः षड्गुणेषु अन्यतमो विद्यते –

1. जयः
2. पराजयः
3. विग्रहः
4. आचारः

मनुमतानुसारं वर्णितेषु राज्ञः षड्गुणेषु अन्यतमो विद्यते –

1. जयः
2. पराजयः
3. विग्रहः
4. आचारः

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4

2.0 0.00

Objective Question

91 25091

2.0 0.00

निरुक्तग्रन्थस्य टीकाकारौ स्तः -

- A. दुर्गाचार्यः
- B. गर्गः
- C. स्कन्दस्वामी
- D. वररुचिः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत -

- 1. A, C केवलम्
- 2. A, B केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. C, D केवलम्

निरुक्तग्रन्थस्य टीकाकारौ स्तः -

- A. दुर्गाचार्यः
- B. गर्गः
- C. स्कन्दस्वामी
- D. वररुचिः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत -

- 1. A, C केवलम्
- 2. A, B केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. C, D केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

92 25092

सामवेदेन सम्बद्धे स्तः -

- A. गोपथब्राह्मणम्
- B. देवताध्यायब्राह्मणम्
- C. बौधायनधर्मसूत्रम्
- D. लाट्यायनश्रौतसूत्रम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत -

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, D केवलम्
- 3. A, D केवलम्
- 4. C, D केवलम्

2.0 0.00

सामवेदेन सम्बद्धे स्तः –

- A. गोपथब्राह्मणम्
- B. देवताध्यायब्राह्मणम्
- C. बौधायनधर्मसूत्रम्
- D. लाट्यायनश्रौतसूत्रम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, D केवलम्
- 3. A, D केवलम्
- 4. C, D केवलम्

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4



Objective Question

93 25093

काण्वसंहिताया भाष्यकारौ स्तः –

- A. आचार्यसायणः
- B. उव्वटः
- C. हलायुधः
- D. गोविन्दः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. A, D केवलम्

काण्वसंहिताया भाष्यकारौ स्तः –

- A. आचार्यसायणः
- B. उव्वटः
- C. हलायुधः
- D. गोविन्दः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. A, D केवलम्

A1 1  
:

1

2.0

0.00

		1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
94	25094	<p>अधस्तनेषु निरुक्तग्रन्थानुसारेण शाकटायनस्य द्वे मते स्तः –</p> <p>A. नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति। B. इन्द्रियनित्यं वचनम्। C. न निर्बद्धा उपसर्गा अर्थान्निराहुः। D. उच्चावचा पदार्था भवन्ति।</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, B केवलम् 2. A, C केवलम् 3. B, C केवलम् 4. C, D केवलम्</p> <p>अधस्तनेषु निरुक्तग्रन्थानुसारेण शाकटायनस्य द्वे मते स्तः –</p> <p>A. नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति। B. इन्द्रियनित्यं वचनम्। C. न निर्बद्धा उपसर्गा अर्थान्निराहुः। D. उच्चावचा पदार्था भवन्ति।</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, B केवलम् 2. A, C केवलम् 3. B, C केवलम् 4. C, D केवलम्</p> <p>A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
95	25095		2.0	0.00

अधस्तनेषु निरुक्तग्रन्थानुसारेण उपमार्थकौ निपातौ स्तः –

- A. परि
- B. नु
- C. इव
- D. च

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. B, C केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. A, C केवलम्

अधस्तनेषु निरुक्तग्रन्थानुसारेण उपमार्थकौ निपातौ स्तः –

- A. परि
- B. नु
- C. इव
- D. च

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. B, C केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. A, C केवलम्



A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

96 25096

अद्वैतवेदान्तमते अज्ञानमस्ति –

- A. भावरूपम्
- B. अभावरूपम्
- C. त्रिगुणात्मकम्
- D. चिदात्मकम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. B, C केवलम्
- 3. A, C केवलम्
- 4. A, D केवलम्

2.0

0.00



अद्वैतवेदान्तमते अज्ञानमस्ति –

- A. भावरूपम्
- B. अभावरूपम्
- C. त्रिगुणात्मकम्
- D. चिदात्मकम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. B, C केवलम्
- 3. A, C केवलम्
- 4. A, D केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

97 25097

चित्तवृत्तिषु न परिगण्येते –

- A. विपर्ययः
- B. तपः
- C. प्रमाणम्
- D. स्वाध्यायः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, D केवलम्
- 4. B, C केवलम्

चित्तवृत्तिषु न परिगण्येते –

- A. विपर्ययः
- B. तपः
- C. प्रमाणम्
- D. स्वाध्यायः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, D केवलम्
- 4. B, C केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

2.0

0.00

		A3 3 : 3		
		A4 4 : 4		

Objective Question				
98	25098	<p>न्यायमतानुसारं प्रमेयेषु परिगणितौ स्तः –</p> <p>A. आत्मा B. संशयः C. तर्कः D. बुद्धिः</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, D केवलम् 2. A, B केवलम् 3. A, C केवलम् 4. B, C केवलम्</p> <p>न्यायमतानुसारं प्रमेयेषु परिगणितौ स्तः –</p> <p>A. आत्मा B. संशयः C. तर्कः D. बुद्धिः</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, D केवलम् 2. A, B केवलम् 3. A, C केवलम् 4. B, C केवलम्</p>	2.0	0.00
		A1 1 : 1		
		A2 2 : 2		
		A3 3 : 3		
		A4 4 : 4		

Objective Question				
99	25099	<p>बौद्धदर्शनस्य प्रतीत्यसमुत्पादे परिगणितौ निदानौ स्तः –</p> <p>A. उपादानम् B. निमित्तम् C. विज्ञानम् D. निदानम्</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, D केवलम् 2. A, C केवलम् 3. B, C केवलम् 4. C, D केवलम्</p>	2.0	0.00

बौद्धदर्शनस्य प्रतीयसमुत्पादे परिगणितौ निदानौ स्तः –

- A. उपादानम्
- B. निमित्तम्
- C. विज्ञानम्
- D. निदानम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, D केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. C, D केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

100 25100

एषु कर्मसंज्ञाविधायके सूत्रे स्तः –

- A. कर्मणि द्वितीया
- B. कर्तुरीप्सिततमं कर्म
- C. कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया
- D. अकथितं च

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, D केवलम्
- 3. A, D केवलम्
- 4. B, D केवलम्

एषु कर्मसंज्ञाविधायके सूत्रे स्तः –

- A. कर्मणि द्वितीया
- B. कर्तुरीप्सिततमं कर्म
- C. कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया
- D. अकथितं च

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, D केवलम्
- 3. A, D केवलम्
- 4. B, D केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

2.0

0.00

		A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
101	25101	<p>अधोनिर्दिष्टेषु 'प्रकृत्यादिभ्य उपसंख्यानम्' इति वार्तिकस्य उदाहरणे स्तः –</p> <p>A. समेनेति B. कन्दुकेन क्रीडति C. द्विचक्रिकया D. सुखेन याति</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. B, D केवलम् 2. A, C केवलम् 3. A, D केवलम् 4. C, D केवलम्</p> <p>अधोनिर्दिष्टेषु 'प्रकृत्यादिभ्य उपसंख्यानम्' इति वार्तिकस्य उदाहरणे स्तः –</p> <p>A. समेनेति B. कन्दुकेन क्रीडति C. द्विचक्रिकया D. सुखेन याति</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. B, D केवलम् 2. A, C केवलम् 3. A, D केवलम् 4. C, D केवलम्</p>	2.0	0.00
Objective Question				
102	25102		2.0	0.00



अर्थविस्तारोदाहरणेषु एतौ शब्दौ परिगणितौ भवतः –

- गवेषणा
- वेदना
- प्रवीणः
- भार्या

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत

- C, B केवलम्
- B, A केवलम्
- A, C केवलम्
- A, D केवलम्

अर्थविस्तारोदाहरणेषु एतौ शब्दौ परिगणितौ भवतः –

- गवेषणा
- वेदना
- प्रवीणः
- भार्या

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत

- C, B केवलम्
- B, A केवलम्
- A, C केवलम्
- A, D केवलम्



A1 1

: 1

A2 2

: 2

A3 3

: 3

A4 4

: 4

Objective Question

103 25103

निम्नलिखितेषु कुन्तकानुसारं वक्रतायाः भेदौ न भवतः –

- प्रकरणवक्रता
- रसवक्रता
- वाक्यवक्रता
- अर्थविन्यासवक्रता

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- A, C केवलम्
- B, D केवलम्
- C, B केवलम्
- D, A केवलम्

2.0

0.00

निम्नलिखितेषु कुन्तकानुसारं वक्रतायाः भेदो न भवतः –

- A. प्रकरणवक्रता
- B. रसवक्रता
- C. वाक्यवक्रता
- D. अर्थविन्यासवक्रता

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, D केवलम्
- 3. C, B केवलम्
- 4. D, A केवलम्

A1  
:

1

A2  
:

2

A3  
:

3

A4  
:

4

Objective Question

104 25104

अधस्तनेषु रामायणाश्रिते महाकाव्ये स्तः –

- A. सेतुबन्धः
- B. किरातार्जुनीयम्
- C. भट्टिकाव्यम्
- D. नैषधीयचरितम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. B, C केवलम्
- 2. A, D केवलम्
- 3. A, C केवलम्
- 4. C, D केवलम्

अधस्तनेषु रामायणाश्रिते महाकाव्ये स्तः –

- A. सेतुबन्धः
- B. किरातार्जुनीयम्
- C. भट्टिकाव्यम्
- D. नैषधीयचरितम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

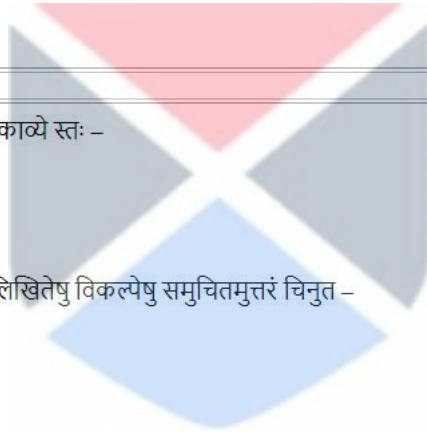
- 1. B, C केवलम्
- 2. A, D केवलम्
- 3. A, C केवलम्
- 4. C, D केवलम्

A1  
:

1

2.0

0.00



		A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
--	--	--	--	--

## Objective Question

105	25105	<p>वीररसप्रधानौ ग्रन्थौ स्तः – A. अभिज्ञानशाकुन्तलम् B. मुद्राराक्षसम् C. वाल्मीकिरामायणम् D. शिशुपालवधम् उपर्युक्तकथनस्यालौके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, B केवलम् 2. B, C केवलम् 3. B, D केवलम् 4. C, D केवलम्</p> <p>वीररसप्रधानौ ग्रन्थौ स्तः – A. अभिज्ञानशाकुन्तलम् B. मुद्राराक्षसम् C. वाल्मीकिरामायणम् D. शिशुपालवधम् उपर्युक्तकथनस्यालौके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, B केवलम् 2. B, C केवलम् 3. B, D केवलम् 4. C, D केवलम्</p> <p>A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

## Objective Question

106	25106		2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

अधस्तनेषु नाटकेषु विदूषको नास्ति –

- A. उत्तररामचरितम्
- B. मालविकाग्निमित्रम्
- C. महावीरचरितम्
- D. विक्रमोर्वशीयम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. B, D केवलम्
- 2. A, D केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. A, C केवलम्

अधस्तनेषु नाटकेषु विदूषको नास्ति –

- A. उत्तररामचरितम्
- B. मालविकाग्निमित्रम्
- C. महावीरचरितम्
- D. विक्रमोर्वशीयम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. B, D केवलम्
- 2. A, D केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. A, C केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

107 25107

दशरूपकानुसारेण रूपकाणां भेदकौ स्तः –

- A. वस्तु
- B. अलङ्कारः
- C. छन्दः
- D. नेता

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. A, D केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. A, B केवलम्

2.0

0.00



दशरूपकानुसारेण रूपकाणां भेदकौ स्तः –

- A. वस्तु
- B. अलङ्कारः
- C. छन्दः
- D. नेता

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. A, D केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. A, B केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

108 25108

अधस्तनेषु समुचितसिद्धान्तौ स्तः –

- A. काव्यस्य प्रयोजनं नैतिकसुधारः शिक्षा च – लॉन्जाइनस
  - B. काव्यस्य प्रयोजनद्वयं ज्ञानार्जनम् आनन्दश्च – अरस्तू
  - C. सत्यस्य पञ्चभेदाः – अरस्तू
  - D. उत्कृष्टाभिव्यक्तेः सशक्तमाध्यमः उत्कृष्टविचार एव – लॉन्जाइनस
- उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, D केवलम्
- 2. C, D केवलम्
- 3. B, D केवलम्
- 4. A, C केवलम्

अधस्तनेषु समुचितसिद्धान्तौ स्तः –

- A. काव्यस्य प्रयोजनं नैतिकसुधारः शिक्षा च – लॉन्जाइनस
  - B. काव्यस्य प्रयोजनद्वयं ज्ञानार्जनम् आनन्दश्च – अरस्तू
  - C. सत्यस्य पञ्चभेदाः – अरस्तू
  - D. उत्कृष्टाभिव्यक्तेः सशक्तमाध्यमः उत्कृष्टविचार एव – लॉन्जाइनस
- उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, D केवलम्
- 2. C, D केवलम्
- 3. B, D केवलम्
- 4. A, C केवलम्

A1 1

:

1

2.0 0.00

		A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
--	--	--	--	--

## Objective Question

109	25109	<p>संस्कृतनाटकेषु एतौ विदूषकौ स्तः –</p> <p>A. माधवः B. मैत्रेयः C. माधव्यः D. चन्द्रापीडः</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. B, C केवलम् 2. A, B केवलम् 3. C, D केवलम् 4. A, C केवलम्</p> <p>संस्कृतनाटकेषु एतौ विदूषकौ स्तः –</p> <p>A. माधवः B. मैत्रेयः C. माधव्यः D. चन्द्रापीडः</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. B, C केवलम् 2. A, B केवलम् 3. C, D केवलम् 4. A, C केवलम्</p> <p>A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

## Objective Question

110	25110		2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

वाल्मीकिरामायणस्य टीकाकारौ स्तः –

- A. नीलकण्ठः
- B. रामवर्मा
- C. विमलबोधः
- D. गोविन्दराजः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, D केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. B, C केवलम्

वाल्मीकिरामायणस्य टीकाकारौ स्तः –

- A. नीलकण्ठः
- B. रामवर्मा
- C. विमलबोधः
- D. गोविन्दराजः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, D केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. B, C केवलम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

111 25111

याज्ञवल्क्यस्मृतौ व्यवहाराध्यायस्य प्रकरणेषु द्वे प्रकरणे स्तः –

- A. दानप्रकरणम्
- B. साहसप्रकरणम्
- C. स्नातकधर्मप्रकरणम्
- D. ऋणादानप्रकरणम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, D केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, D केवलम्
- 4. B, C केवलम्

2.0

0.00

याज्ञवल्क्यस्मृतौ व्यवहाराध्यायस्य प्रकरणेषु द्वे प्रकरणे स्तः –

- A. दानप्रकरणम्
- B. साहसप्रकरणम्
- C. स्नातकधर्मप्रकरणम्
- D. ऋणादानप्रकरणम्

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, D केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, D केवलम्
- 4. B, C केवलम्

A1 1

: 1

A2 2

: 2

A3 3

: 3

A4 4

: 4



Objective Question

112 25112

आचार्यकौटिल्यमते दूतस्य द्वौ प्रकारौ स्तः –

- A. शासनहरः
- B. बुद्धिमान्
- C. परिमितार्थः
- D. आहार्यबुद्धिः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. C, D केवलम्

आचार्यकौटिल्यमते दूतस्य द्वौ प्रकारौ स्तः –

- A. शासनहरः
- B. बुद्धिमान्
- C. परिमितार्थः
- D. आहार्यबुद्धिः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, B केवलम्
- 2. A, C केवलम्
- 3. B, C केवलम्
- 4. C, D केवलम्

A1 1


: 1

A2 2

: 2

2.0

0.00

		A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
113	25113	<p>कौटिलीयार्थशास्त्रानुसारेण राज्यस्य द्वे अङ्गे स्तः –</p> <p>A. दूतः B. अमात्यः C. कोषः D. पुरोहितः</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. B, C केवलम् 2. A, B केवलम् 3. B, D केवलम् 4. C, D केवलम्</p> <p>कौटिलीयार्थशास्त्रानुसारेण राज्यस्य द्वे अङ्गे स्तः –</p> <p>A. दूतः B. अमात्यः C. कोषः D. पुरोहितः</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. B, C केवलम् 2. A, B केवलम् 3. B, D केवलम् 4. C, D केवलम्</p>  <p>A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
114	25114	<p>मनुस्मृतेः टीकाकारौ स्तः –</p> <p>A. विज्ञानेश्वरः B. कुल्लूकभट्टः C. मेधातिथिः D. विश्वरूपः</p> <p>उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <p>1. A, C केवलम् 2. B, C केवलम् 3. C, D केवलम् 4. A, D केवलम्</p>	2.0	0.00

मनुस्मृतेः टीकाकारौ स्तः –

- A. विज्ञानेश्वरः
- B. कुल्लूकभट्टः
- C. मेधातिथिः
- D. विश्वरूपः

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, C केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. A, D केवलम्

A1 1

: 1

A2 2

: 2

A3 3

: 3

A4 4

: 4

Objective Question

115 25115

अधस्तनेषु समीचीनं कथनमस्ति –

- A. याज्ञवल्क्यस्मृतौ द्वादशाध्यायाः सन्ति।
- B. कौटिल्यमते नवविधाः गूढपुरुषाः भवन्ति।
- C. मनुस्मृतौ अष्टादशविवादपदानि वर्णितानि।
- D. 'विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्' महाभारतस्य वनपर्वणि वर्णितमस्ति।

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, C केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. B, D केवलम्

अधस्तनेषु समीचीनं कथनमस्ति –

- A. याज्ञवल्क्यस्मृतौ द्वादशाध्यायाः सन्ति।
- B. कौटिल्यमते नवविधाः गूढपुरुषाः भवन्ति।
- C. मनुस्मृतौ अष्टादशविवादपदानि वर्णितानि।
- D. 'विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्' महाभारतस्य वनपर्वणि वर्णितमस्ति।

उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

- 1. A, C केवलम्
- 2. B, C केवलम्
- 3. C, D केवलम्
- 4. B, D केवलम्

A1 1

: 1

A2 2

: 2

2.0

0.00

A3 3  
:  
3  
A4 4  
:  
4

## Objective Question

116 25116

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची-I	सूची-II
A. विवाहसूक्तम्	I. ऋग्वेदे
B. नासदीयसूक्तम्	II. शुक्लयजुर्वेदे
C. शिवसङ्कल्पसूक्तम्	III. शतपथब्राह्मणे
D. वाङ्मनस आख्यानम्	IV. अथर्ववेदे

1. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
2. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)
3. (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)
4. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची-I	सूची-II
A. विवाहसूक्तम्	I. ऋग्वेदे
B. नासदीयसूक्तम्	II. शुक्लयजुर्वेदे
C. शिवसङ्कल्पसूक्तम्	III. शतपथब्राह्मणे
D. वाङ्मनस आख्यानम्	IV. अथर्ववेदे

1. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
2. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)
3. (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)
4. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

A1 1  
:  
1  
A2 2  
:  
2  
A3 3  
:  
3  
A4 4  
:  
4

## Objective Question

117 25117

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I	सूची II
A. परोक्षकृताः	I. अहं धनानि संजयामि शाश्वतः।
B. प्रत्यक्षकृताः	II. इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्र वोचम्।
C. आध्यात्मिक्यः	III. इन्द्राय साम गायत।
D. अथापि स्तुतिरेव भवति नाशीर्वादिः	IV. कण्वा अभि प्रगायत।

1. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
2. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
3. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
4. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	परोक्षकृताः	I.	अहं धनानि संजयामि शाश्वतः।
B.	प्रत्यक्षकृताः	II.	इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्र वोचम्।
C.	आध्यात्मिक्यः	III.	इन्द्राय साम गायत।
D.	अथापि स्तुतिरेव भवति नाशीर्वादः	IV.	कण्वा अभि प्रगायत।

1. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
2. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
3. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
4. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

118 25118

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	दिक्	I.	त्वक्
B.	वायुः	II.	चक्षुः
C.	सूर्यः	III.	रसना
D.	वरुणः	IV.	श्रोत्रम्

1. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
2. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
3. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)
4. (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	दिक्	I.	त्वक्
B.	वायुः	II.	चक्षुः
C.	सूर्यः	III.	रसना
D.	वरुणः	IV.	श्रोत्रम्

1. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
2. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
3. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)
4. (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

2.0

0.00



A4 4  
:  
4

## Objective Question

119 25119

यथोचितं मेलनं कुरुत -

सूची I		सूची II	
A.	प्रमाणसमुच्चयः	I.	धर्मकीर्तिः
B.	प्रमाणवार्तिकम्	II.	दिङ्नागः
C.	माध्यमिककारिका	III.	शान्तरक्षितः
D.	तत्त्वसङ्ग्रहः	IV.	नागार्जुनः

1. (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)
2. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
3. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
4. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(II)

यथोचितं मेलनं कुरुत -

सूची I		सूची II	
A.	प्रमाणसमुच्चयः	I.	धर्मकीर्तिः
B.	प्रमाणवार्तिकम्	II.	दिङ्नागः
C.	माध्यमिककारिका	III.	शान्तरक्षितः
D.	तत्त्वसङ्ग्रहः	IV.	नागार्जुनः

1. (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)
2. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
3. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
4. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(II)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



## Objective Question

120 25120

यथोचितं मेलनं कुरुत -

सूची I		सूची II	
A.	जिघत्सति	I.	यङ्लुगन्तक्रियापदम्
B.	नरीनृत्यते	II.	नामधातुक्रियापदम्
C.	राजानति	III.	सत्रन्तक्रियापदम्
D.	बोभवीति	IV.	यङन्तक्रियापदम्

1. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
2. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)
3. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)
4. (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)

2.0

0.00

2.0

0.00

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	जिघत्सति	I.	यङ्लुगन्तक्रियापदम्
B.	नरीनृत्यते	II.	नामधातुक्रियापदम्
C.	राजानति	III.	सन्नन्तक्रियापदम्
D.	बोभवीति	IV.	यङन्तक्रियापदम्

1. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
2. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)
3. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)
4. (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

121 25121

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	ज्ञानम्	I.	वचनमात्रे
B.	तटी	II.	परिमाणमात्रे
C.	द्रोणो व्रीहिः	III.	लिङ्गमात्राद्याधिक्ये
D.	बहवः	IV.	प्रातिपदिकार्थमात्रे

1. (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)
2. (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
3. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
4. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	ज्ञानम्	I.	वचनमात्रे
B.	तटी	II.	परिमाणमात्रे
C.	द्रोणो व्रीहिः	III.	लिङ्गमात्राद्याधिक्ये
D.	बहवः	IV.	प्रातिपदिकार्थमात्रे

1. (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)
2. (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
3. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
4. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

2.0

0.00

A4 4  
:  
4

## Objective Question

122 25122

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	रससम्प्रदायः	I.	भामहः
B.	रीतिसम्प्रदायः	II.	आनन्दवर्द्धनः
C.	अलङ्कारसम्प्रदायः	III.	भरतमुनिः
D.	ध्वनिसम्प्रदायः	IV.	वामनः

1. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
2. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)
3. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
4. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	रससम्प्रदायः	I.	भामहः
B.	रीतिसम्प्रदायः	II.	आनन्दवर्द्धनः
C.	अलङ्कारसम्प्रदायः	III.	भरतमुनिः
D.	ध्वनिसम्प्रदायः	IV.	वामनः

1. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
2. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)
3. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
4. (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

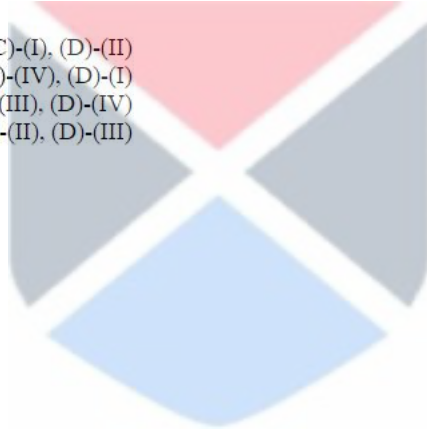
:

3

A4 4

:

4



2.0

0.00

## Objective Question

123 25123

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	नागानन्दम्	I.	आख्यायिका
B.	विक्रमोर्वशीयम्	II.	प्रकरणम्
C.	हर्षचरितम्	III.	नाटकम्
D.	मृच्छकटिकम्	IV.	त्रोटकम्

1. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
2. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
3. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
4. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

2.0

0.00

यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूची I		सूची II	
A.	नागानन्दम्	I.	आख्यायिका
B.	विक्रमोर्वशीयम्	II.	प्रकरणम्
C.	हर्षचरितम्	III.	नाटकम्
D.	मृच्छकटिकम्	IV.	त्रोटकम्

1. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
2. (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
3. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
4. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4

Objective Question

124 25124

पद्मपुराणे पञ्च खण्डाः सन्ति, क्रमेण योजयत –

सूची I		सूची II	
A.	प्रथमखण्डः	I.	स्वर्गखण्डः
B.	द्वितीयखण्डः	II.	सृष्टिखण्डः
C.	तृतीयखण्डः	III.	पातालखण्डः
D.	चतुर्थखण्डः	IV.	भूमिखण्डः

1. (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)
2. (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)
3. (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)
4. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

पद्मपुराणे पञ्च खण्डाः सन्ति, क्रमेण योजयत –

सूची I		सूची II	
A.	प्रथमखण्डः	I.	स्वर्गखण्डः
B.	द्वितीयखण्डः	II.	सृष्टिखण्डः
C.	तृतीयखण्डः	III.	पातालखण्डः
D.	चतुर्थखण्डः	IV.	भूमिखण्डः

1. (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)
2. (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)
3. (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)
4. (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

2.0

0.00

A4 4  
:  
4

## Objective Question

125 25125

यथोचितं मेलनं कुरुत -

सूची I		सूची II	
A.	विज्ञानेश्वरः	I.	वीरमित्रोदयः
B.	मित्रमिश्रः	II.	अपराकः
C.	अपरादित्यः	III.	मिताक्षरा
D.	शूलपाणिः	IV.	दीपकलिका

1. (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)
2. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
3. (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)
4. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

यथोचितं मेलनं कुरुत -

सूची I		सूची II	
A.	विज्ञानेश्वरः	I.	वीरमित्रोदयः
B.	मित्रमिश्रः	II.	अपराकः
C.	अपरादित्यः	III.	मिताक्षरा
D.	शूलपाणिः	IV.	दीपकलिका

1. (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)
2. (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
3. (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)
4. (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

## Objective Question

126 25126

अधस्तनेषु विकृतिपाठान् यथाक्रमं योजयत -

- A. माला
- B. शिखा
- C. जटा
- D. रेखा

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. (A), (B), (C), (D)
2. (A), (C), (B), (D)
3. (C), (A), (B), (D)
4. (C), (D), (A), (B)

2.0

0.00

2.0

0.00

अधस्तनेषु विकृतिपाठान् यथाक्रमं योजयत -

- A. माला  
B. शिखा  
C. जटा  
D. रेखा

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. (A), (B), (C), (D)  
2. (A), (C), (B), (D)  
3. (C), (A), (B), (D)  
4. (C), (D), (A), (B)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

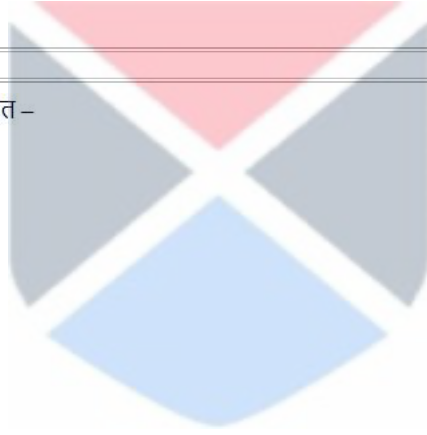
:

3

A4 4

:

4



Objective Question

127 25127

यथाक्रमं भावविकारान् योजयत -

- A. वर्द्धते  
B. विपरिणमते  
C. अस्ति  
D. जायते

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. (D), (C), (B), (A)  
2. (A), (B), (C), (D)  
3. (A), (B), (D), (C)  
4. (B), (C), (A), (D)

यथाक्रमं भावविकारान् योजयत -

- A. वर्द्धते  
B. विपरिणमते  
C. अस्ति  
D. जायते

समुचितं विकल्पं चिनुत -

1. (D), (C), (B), (A)  
2. (A), (B), (C), (D)  
3. (A), (B), (D), (C)  
4. (B), (C), (A), (D)

A1 1

:

1

A2 2

:


2

2.0

0.00

		A3 3 : 3 A4 4 : 4		
--	--	----------------------------------	--	--

## Objective Question

128	25128	<p>चित्तभूमीनां विकल्पं क्रमेण योजयत –</p> <p>A. निरुद्धः B. एकाग्रः C. क्षिप्तम् D. मूढः समुचितं विकल्पं चिनुत –</p> <p>1. (B), (C), (D), (A) 2. (C), (D), (B), (A) 3. (A), (B), (D), (C) 4. (C), (A), (D), (B)</p> <p>चित्तभूमीनां विकल्पं क्रमेण योजयत –</p> <p>A. निरुद्धः B. एकाग्रः C. क्षिप्तम् D. मूढः समुचितं विकल्पं चिनुत –</p> <p>1. (B), (C), (D), (A) 2. (C), (D), (B), (A) 3. (A), (B), (D), (C) 4. (C), (A), (D), (B)</p>  <p>A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

## Objective Question

129	25129		2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

कालक्रमेण समुचितं विकल्पं चिनुत –

- A. तत्त्वचिन्तामणिः  
B. शब्दशक्तिप्रकाशिका  
C. न्यायकुसुमाञ्जलिः  
D. दीधितिः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (A), (C), (B), (D)  
2. (C), (A), (D), (B)  
3. (D), (B), (A), (C)  
4. (B), (D), (C), (A)

कालक्रमेण समुचितं विकल्पं चिनुत –

- A. तत्त्वचिन्तामणिः  
B. शब्दशक्तिप्रकाशिका  
C. न्यायकुसुमाञ्जलिः  
D. दीधितिः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (A), (C), (B), (D)  
2. (C), (A), (D), (B)  
3. (D), (B), (A), (C)  
4. (B), (D), (C), (A)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

130 25130

व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनं यथाक्रमं योजयत –

- A. लघुः  
B. आगमः  
C. ऊहः  
D. रक्षा

समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (D), (C), (B), (A)  
2. (C), (D), (A), (B)  
3. (B), (C), (D), (A)  
4. (A), (B), (D), (C)

2.0 0.00



व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनं यथाक्रमं योजयत –

- A. लघुः
- B. आगमः
- C. ऊहः
- D. रक्षा

समुचितं विकल्पं चिनुत –

- 1. (D), (C), (B), (A)
- 2. (C), (D), (A), (B)
- 3. (B), (C), (D), (A)
- 4. (A), (B), (D), (C)

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4



Objective Question

131 25131

कालक्रमानुसारं निम्नलिखितग्रन्थानां क्रमं चिनुत –

- A. महाभाष्यम्
- B. परिभाषेन्दुशेखरः
- C. प्रौढमनोरमा
- D. काशिका

समुचितं विकल्पं चिनुत –

- 1. (D), (A), (B), (C)
- 2. (A), (C), (B), (D)
- 3. (A), (D), (C), (B)
- 4. (B), (D), (A), (C)

कालक्रमानुसारं निम्नलिखितग्रन्थानां क्रमं चिनुत –

- A. महाभाष्यम्
- B. परिभाषेन्दुशेखरः
- C. प्रौढमनोरमा
- D. काशिका

समुचितं विकल्पं चिनुत –

- 1. (D), (A), (B), (C)
- 2. (A), (C), (B), (D)
- 3. (A), (D), (C), (B)
- 4. (B), (D), (A), (C)

A1 1  
:

1

2.0

0.00

		A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
--	--	--	--	--

## Objective Question

132	25132	<p>काव्यप्रयोजनानि काव्यप्रकाशानुसारं यथाक्रमं योजयत -</p> <p>A. अर्थकृते B. यशसे C. व्यवहारविदे D. शिवेतरक्षतये</p> <p>समुचितं विकल्पं चिनुत -</p> <p>1. (A), (C), (B), (D) 2. (B), (A), (C), (D) 3. (C), (D), (A), (B) 4. (A), (C), (D), (B)</p> <p>काव्यप्रयोजनानि काव्यप्रकाशानुसारं यथाक्रमं योजयत -</p> <p>A. अर्थकृते B. यशसे C. व्यवहारविदे D. शिवेतरक्षतये</p> <p>समुचितं विकल्पं चिनुत -</p> <p>1. (A), (C), (B), (D) 2. (B), (A), (C), (D) 3. (C), (D), (A), (B) 4. (A), (C), (D), (B)</p> <p>A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

## Objective Question

133	25133		2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

अधोलिखितान् काव्यशास्त्रकारान् क्रमेण योजयत –

- A. जगन्नाथः  
B. वामनः  
C. मम्मटः  
D. भामहः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (D), (C), (B), (A)  
2. (A), (D), (C), (B)  
3. (D), (B), (C), (A)  
4. (D), (A), (B), (C)

अधोलिखितान् काव्यशास्त्रकारान् क्रमेण योजयत –

- A. जगन्नाथः  
B. वामनः  
C. मम्मटः  
D. भामहः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (D), (C), (B), (A)  
2. (A), (D), (C), (B)  
3. (D), (B), (C), (A)  
4. (D), (A), (B), (C)

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4



Objective Question

134 25134

मनुस्मृतौ प्रतिपादितान् एतान् विषयान् यथाक्रमं योजयत –

- A. राजधर्मः  
B. आपद्धर्मः  
C. संस्कारविधिः  
D. प्रायश्चित्तम्

समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (B), (C), (A), (D)  
2. (C), (A), (B), (D)  
3. (A), (D), (B), (C)  
4. (C), (B), (D), (A)

2.0 0.00

मनुस्मृतौ प्रतिपादितान् एतान् विषयान् यथाक्रमं योजयत –

- A. राजधर्मः  
B. आपद्धर्मः  
C. संस्कारविधिः  
D. प्रायश्चित्तम्  
समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (B), (C), (A), (D)  
2. (C), (A), (B), (D)  
3. (A), (D), (B), (C)  
4. (C), (B), (D), (A)

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

A4 4  
:

4

Objective Question

135 25135

याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं व्यवहारस्य चतुष्पादान् यथाक्रमं योजयत –

- A. साध्यसिद्धिपादः  
B. भाषापादः  
C. उत्तरपादः  
D. क्रियापादः  
समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (C), (A), (B), (D)  
2. (A), (D), (B), (C)  
3. (B), (C), (D), (A)  
4. (A), (C), (B), (D)

याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं व्यवहारस्य चतुष्पादान् यथाक्रमं योजयत –

- A. साध्यसिद्धिपादः  
B. भाषापादः  
C. उत्तरपादः  
D. क्रियापादः  
समुचितं विकल्पं चिनुत –

1. (C), (A), (B), (D)  
2. (A), (D), (B), (C)  
3. (B), (C), (D), (A)  
4. (A), (C), (B), (D)

A1 1  
:

1

A2 2  
:

2

A3 3  
:

3

2.0 0.00



		A4 : 4		
Objective Question				
136	25136	<p>अत्र कथनद्वयमस्ति। एकम् अभिकथनम् (A) अपरञ्च तस्य कारणम् (R) इति।  <b>अभिकथनम् (A) :</b> केनोपनिषदि हैमवती उमोपाख्यानं वर्णितमस्ति।  <b>कारणम् (R) :</b> 'न तत्र चक्षुर्गच्छति' इति केनोपनिषद्वचनमस्ति।  उपर्युक्तम् अभिकथनं कारणञ्चाश्रित्य समुचितं विकल्पं चिनुत।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. अभिकथनम् (A), कारणम् (R) उभयं सत्यम्। किन्तु कारणम् (R), अभिकथनम् (A) इत्यस्य समुचिता व्याख्या अस्ति।</li> <li>2. अभिकथनम् (A), कारणम् (R) उभयं सत्यम्। किन्तु कारणम् (R), अभिकथनम् (A) इत्यस्य समुचिता व्याख्या नास्ति।</li> <li>3. अभिकथनम् (A) सत्यम्, कारणम् (R) असत्यम्।</li> <li>4. अभिकथनम् (A) असत्यम्, कारणम् (R) सत्यम्।</li> </ol> <p>अत्र कथनद्वयमस्ति। एकम् अभिकथनम् (A) अपरञ्च तस्य कारणम् (R) इति।  <b>अभिकथनम् (A) :</b> केनोपनिषदि हैमवती उमोपाख्यानं वर्णितमस्ति।  <b>कारणम् (R) :</b> 'न तत्र चक्षुर्गच्छति' इति केनोपनिषद्वचनमस्ति।  उपर्युक्तम् अभिकथनं कारणञ्चाश्रित्य समुचितं विकल्पं चिनुत।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. अभिकथनम् (A), कारणम् (R) उभयं सत्यम्। किन्तु कारणम् (R), अभिकथनम् (A) इत्यस्य समुचिता व्याख्या अस्ति।</li> <li>2. अभिकथनम् (A), कारणम् (R) उभयं सत्यम्। किन्तु कारणम् (R), अभिकथनम् (A) इत्यस्य समुचिता व्याख्या नास्ति।</li> <li>3. अभिकथनम् (A) सत्यम्, कारणम् (R) असत्यम्।</li> <li>4. अभिकथनम् (A) असत्यम्, कारणम् (R) सत्यम्।</li> </ol>	2.0	0.00
		A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4		
Objective Question				
137	25137	<p>अधोलिखितं कथनद्वयम् आश्रित्य समुचितम् उत्तरं चिनुत।  <b>अभिकथनम् (I) :</b> 'व्रीहीन् अवहन्ति' इत्यत्र प्रयोगविधिरस्ति।  <b>अभिकथनम् (II) :</b> 'दध्ना जुहोति' इत्यत्र विनियोगविधिरस्ति।  उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. उभये (I) &amp; (II) कथने सत्ये स्तः।</li> <li>2. उभये (I) &amp; (II) कथने असत्ये स्तः।</li> <li>3. प्रथमं कथनम् (I) सत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) असत्यम् अस्ति।</li> <li>4. प्रथमं कथनम् (I) असत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) सत्यम् अस्ति।</li> </ol>	2.0	0.00

अधोलिखितं कथनद्वयम् आश्रित्य समुचितम् उत्तरं चिनुत।  
**अभिकथनम् (I)** : 'व्रीहीन् अवहन्ति' इत्यत्र प्रयोगविधिरस्ति।  
**अभिकथनम् (II)** : 'दध्ना जुहोति' इत्यत्र विनियोगविधिरस्ति।  
 उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत -

1. उभये (I) & (II) कथने सत्ये स्तः।
2. उभये (I) & (II) कथने असत्ये स्तः।
3. प्रथमं कथनम् (I) सत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) असत्यम् अस्ति।
4. प्रथमं कथनम् (I) असत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) सत्यम् अस्ति।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

## Objective Question

138 25138

अधोलिखितं कथनद्वयम् आश्रित्य समुचितम् उत्तरं चिनुत -  
**अभिकथनम् (I)** : कलञ्जं न भक्षयेत् इति नित्यकर्म।  
**अभिकथनम् (II)** : स्वर्गकामो यजेत् इति नैमित्तिककर्म।  
 उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत -

1. उभये (I) & (II) कथने सत्ये स्तः।
2. उभये (I) & (II) कथने असत्ये स्तः।
3. प्रथमं कथनम् (I) सत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) असत्यम् अस्ति।
4. प्रथमं कथनम् (I) असत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) सत्यम् अस्ति।

अधोलिखितं कथनद्वयम् आश्रित्य समुचितम् उत्तरं चिनुत -  
**अभिकथनम् (I)** : कलञ्जं न भक्षयेत् इति नित्यकर्म।  
**अभिकथनम् (II)** : स्वर्गकामो यजेत् इति नैमित्तिककर्म।  
 उपर्युक्तकथनस्यालोके अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितमुत्तरं चिनुत -

1. उभये (I) & (II) कथने सत्ये स्तः।
2. उभये (I) & (II) कथने असत्ये स्तः।
3. प्रथमं कथनम् (I) सत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) असत्यम् अस्ति।
4. प्रथमं कथनम् (I) असत्यं किन्तु द्वितीयं कथनम् (II) सत्यम् अस्ति।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

2.0 0.00

## Objective Question

139	25139	<p>अत्र कथनद्वयमस्ति। एकम् <b>अभिकथनम् (A)</b> अपरञ्च तस्य <b>कारणम् (R)</b> इति।  <b>अभिकथनम् (A) :</b> उच्चैः, नीचैः, कृष्णः, श्रीः, ज्ञानम् इत्यत्र प्रथमा विभक्तिः जायते।  <b>कारणम् (R) :</b> लिङ्गमात्राद्याधिक्यात्।  उपर्युक्तम् अभिकथनं कारणञ्चाश्रित्य समुचितं विकल्पं चिनुत।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. <b>अभिकथनम् (A), कारणम् (R)</b> उभयं सत्यम्। किन्तु <b>कारणम् (R), अभिकथनम् (A)</b> इत्यस्य समुचिता व्याख्या अस्ति।</li> <li>2. <b>अभिकथनम् (A), कारणम् (R)</b> उभयं सत्यम्। किन्तु <b>कारणम् (R), अभिकथनम् (A)</b> इत्यस्य समुचिता व्याख्या नास्ति।</li> <li>3. <b>अभिकथनम् (A)</b> सत्यम्, <b>कारणम् (R)</b> असत्यम्।</li> <li>4. <b>अभिकथनम् (A)</b> असत्यम्, <b>कारणम् (R)</b> सत्यम्।</li> </ol> <p>अत्र कथनद्वयमस्ति। एकम् <b>अभिकथनम् (A)</b> अपरञ्च तस्य <b>कारणम् (R)</b> इति।  <b>अभिकथनम् (A) :</b> उच्चैः, नीचैः, कृष्णः, श्रीः, ज्ञानम् इत्यत्र प्रथमा विभक्तिः जायते।  <b>कारणम् (R) :</b> लिङ्गमात्राद्याधिक्यात्।  उपर्युक्तम् अभिकथनं कारणञ्चाश्रित्य समुचितं विकल्पं चिनुत।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. <b>अभिकथनम् (A), कारणम् (R)</b> उभयं सत्यम्। किन्तु <b>कारणम् (R), अभिकथनम् (A)</b> इत्यस्य समुचिता व्याख्या अस्ति।</li> <li>2. <b>अभिकथनम् (A), कारणम् (R)</b> उभयं सत्यम्। किन्तु <b>कारणम् (R), अभिकथनम् (A)</b> इत्यस्य समुचिता व्याख्या नास्ति।</li> <li>3. <b>अभिकथनम् (A)</b> सत्यम्, <b>कारणम् (R)</b> असत्यम्।</li> <li>4. <b>अभिकथनम् (A)</b> असत्यम्, <b>कारणम् (R)</b> सत्यम्।</li> </ol> <p>A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4</p>	2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

## Objective Question

140	25140	<p>अत्र कथनद्वयमस्ति। एकम् <b>अभिकथनम् (A)</b> अपरञ्च तस्य <b>कारणम् (R)</b> इति।  <b>अभिकथनम् (A) :</b> आपरितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।  <b>कारणम् (R) :</b> बलवदपि शिक्षितानाम् आत्मन्यप्रत्ययं चेतः।  उपर्युक्तम् अभिकथनं कारणञ्चाश्रित्य समुचितं विकल्पं चिनुत।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. <b>अभिकथनम् (A), कारणम् (R)</b> उभयं सत्यम्। किन्तु <b>कारणम् (R), अभिकथनम् (A)</b> इत्यस्य समुचिता व्याख्या अस्ति।</li> <li>2. <b>अभिकथनम् (A), कारणम् (R)</b> उभयं सत्यम्। किन्तु <b>कारणम् (R), अभिकथनम् (A)</b> इत्यस्य समुचिता व्याख्या नास्ति।</li> <li>3. <b>अभिकथनम् (A)</b> सत्यम्, <b>कारणम् (R)</b> असत्यम्।</li> <li>4. <b>अभिकथनम् (A)</b> असत्यम्, <b>कारणम् (R)</b> सत्यम्।</li> </ol>	2.0	0.00
-----	-------	--	-----	------

अत्र कथनद्वयमस्ति। एकम् **अभिकथनम् (A)** अपरञ्च तस्य **कारणम् (R)** इति।  
**अभिकथनम् (A)** : आपरितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।  
**कारणम् (R)** : बलवदपि शिक्षितानाम् आत्मन्यप्रत्ययं चेतः।  
 उपर्युक्तम् अभिकथनं कारणञ्चाश्रित्य समुचितं विकल्पं चिनुत।

1. **अभिकथनम् (A), कारणम् (R)** उभयं सत्यम्। किन्तु **कारणम् (R), अभिकथनम् (A)** इत्यस्य समुचिता व्याख्या अस्ति।
2. **अभिकथनम् (A), कारणम् (R)** उभयं सत्यम्। किन्तु **कारणम् (R), अभिकथनम् (A)** इत्यस्य समुचिता व्याख्या नास्ति।
3. **अभिकथनम् (A)** सत्यम्, **कारणम् (R)** असत्यम्।
4. **अभिकथनम् (A)** असत्यम्, **कारणम् (R)** सत्यम्।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

## Objective Question

141 25141

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -

यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवाद्दृशा एव भवन्ति भाजनानि उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

यौवनारम्भे यूनां दृष्टिः प्रायः कीदृशी भवति ?

1. रागयुक्ता
2. कालुष्ययुक्ता
3. अनुज्झिता
4. धवला

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -

यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवाद्दृशा एव भवन्ति भाजनानि उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

यौवनारम्भे यूनां दृष्टिः प्रायः कीदृशी भवति ?

1. रागयुक्ता
2. कालुष्ययुक्ता
3. अनुज्झिता
4. धवला

2.0

0.00



A1 1  
:  
1  
A2 2  
:  
2  
A3 3  
:  
3  
A4 4  
:  
4

## Objective Question

142 25142

2.0 0.00

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -

यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वाल्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

प्रकृतिः कमतिदूरम् अपहरति ?

1. शुष्कपत्रम्
2. रजः
3. पुरुषम्
4. रजोभ्रान्तिम्



अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -

यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वाल्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

प्रकृतिः कमतिदूरम् अपहरति ?

1. शुष्कपत्रम्
2. रजः
3. पुरुषम्
4. रजोभ्रान्तिम्

A1 1  
:  
1  
A2 2  
:  
2  
A3 3  
:  
3  
A4 4  
:  
4

## Objective Question

143	25143	<p>अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -  यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।  अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च  सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि  मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि  उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।</p> <p>‘मधुरतराण्यापतन्ति’ इत्यत्र ‘आपतन्ति’ इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किमस्ति ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सलिलानि</li> <li>2. विषयस्वरूपाणि</li> <li>3. मधुरतराणि</li> <li>4. आस्वाद्यमानानि</li> </ol> <p>अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -  यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।  अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च  सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि  मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि  उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।</p> <p>‘मधुरतराण्यापतन्ति’ इत्यत्र ‘आपतन्ति’ इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किमस्ति ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सलिलानि</li> <li>2. विषयस्वरूपाणि</li> <li>3. मधुरतराणि</li> <li>4. आस्वाद्यमानानि</li> </ol> <p>A1 1 : 1</p> <p>A2 2 : 2</p> <p>A3 3 : 3</p> <p>A4 4 : 4</p>	2.0	0.00
Objective Question				
144	25144		2.0	0.00



अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -  
 यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।  
 अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च  
 सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि  
 मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि  
 उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

‘दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः’ इत्यत्र उन्मार्गप्रवर्तकः कः ?

1. उपदेशः
2. कालः
3. पुरुषः
4. अत्यधिकानुरागः

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -  
 यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।  
 अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च  
 सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि  
 मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि  
 उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

‘दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः’ इत्यत्र उन्मार्गप्रवर्तकः कः ?

1. उपदेशः
2. कालः
3. पुरुषः
4. अत्यधिकानुरागः

A1 1

: 1

A2 2

: 2

A3 3

: 3

A4 4

: 4

Objective Question

145 25145

2.0 0.00

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -  
 यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।  
 अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च  
 सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिकां नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि  
 मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गे विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि  
 उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

‘अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव’ इत्यत्र कोऽलङ्कारो वर्तते ?

1. रूपकम्
2. यमकम्
3. उपमा
4. दृष्टान्तः

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् -  
 यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।  
 अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च  
 सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिकां नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि  
 मधुरतराण्यापतन्ति मनसः। नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गे विषयेषु। भवादृशा एव भवन्ति भाजनानि  
 उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेशगुणाः।

‘अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव’ इत्यत्र कोऽलङ्कारो वर्तते ?

1. रूपकम्
2. यमकम्
3. उपमा
4. दृष्टान्तः



A1 1

: 1

A2 2

: 2

A3 3

: 3

A4 4

: 4

Objective Question

146 25146

2.0

0.00

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं भवति -

1. व्यापारः
2. फलम्
3. करणम्
4. लिङ्गम्

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं भवति -

1. व्यापारः
2. फलम्
3. करणम्
4. लिङ्गम्



A1 1  
:  
1  
A2 2  
:  
2  
A3 3  
:  
3  
A4 4  
:  
4

Objective Question

147 25147

2.0 0.00

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

अनुमितौ कः व्यापारः ?

1. पक्षधर्मताज्ञानम्
2. व्याप्तिज्ञानम्
3. परामर्शः
4. व्याप्तिस्मरणम्

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

अनुमितौ कः व्यापारः ?

1. पक्षधर्मताज्ञानम्
2. व्याप्तिज्ञानम्
3. परामर्शः
4. व्याप्तिस्मरणम्



A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

148 25148

2.0 0.00

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

व्याप्तिस्मरणस्य स्वरूपं भवति -

1. पर्वते वह्निः
2. पर्वतो वह्निमान्
3. पर्वतो धूमवान्
4. धूमो वह्निव्याप्यः

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

व्याप्तिस्मरणस्य स्वरूपं भवति -

1. पर्वते वह्निः
2. पर्वतो वह्निमान्
3. पर्वतो धूमवान्
4. धूमो वह्निव्याप्यः



A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

149 25149

2.0 0.00

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

परामर्शस्य स्वरूपमस्ति -

1. 'वह्निव्यापकधूमवानयम्' इति ज्ञानम्
2. 'धूमव्यापकवह्निमानयम्' इति ज्ञानम्
3. 'वह्निव्याप्यधूमवानयम्' इति ज्ञानम्
4. 'धूमव्याप्यवह्निमानयम्' इति ज्ञानम्

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

परामर्शस्य स्वरूपमस्ति -

1. 'वह्निव्यापकधूमवानयम्' इति ज्ञानम्
2. 'धूमव्यापकवह्निमानयम्' इति ज्ञानम्
3. 'वह्निव्याप्यधूमवानयम्' इति ज्ञानम्
4. 'धूमव्याप्यवह्निमानयम्' इति ज्ञानम्

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

150 25150

2.0 0.00



अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

पर्वतो वह्निमानिति ज्ञानं कथ्यते -

1. अनुमितिः
2. उपमितिः
3. अनुपलब्धिः
4. व्याप्तिः

अधोलिखितं परिच्छेदं पठित्वा अधस्तनप्रश्नस्य उत्तरं देयम् –  
 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानं करणं, परामर्शो व्यापारः। तथाहि येन पुरुषेण महानसादौ धूमे वह्नेर्व्याप्तिर्गृहीता, पश्चात् स एव पुरुषः  
 क्वचित् पर्वतादावविच्छिन्नमूलां धूमरेखां पश्यति, तदनन्तरं 'धूमो वह्निव्याप्य' इत्येवं रूपं व्याप्तिस्मरणं तस्य भवति, पश्चाच्च  
 वह्निव्याप्यधूमवानयमिति ज्ञानं, स एव परामर्श इत्युच्यते। तदनन्तरं पर्वतो वह्निमानित्यनुमितिर्जायते। अत्र प्राचीनास्तु  
 व्याप्यत्वेन ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितिकरणमिति वदन्ति, तद्दूषयति – ज्ञायमानमिति। लिङ्गस्यानुमित्यकरणत्वे युक्तिमाह -  
 अनागतादीति। यद्यनुमितौ लिङ्गं करणं स्यात्, तदाऽनागतेन लिङ्गेन, विनष्टेन, चाऽनुमितिर्न स्यात्, अनुमितिकरणस्य लिङ्गस्य  
 तदानीमभवादिति।

पर्वतो वह्निमानिति ज्ञानं कथ्यते -

1. अनुमितिः
2. उपमितिः
3. अनुपलब्धिः
4. व्याप्तिः

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

